परिकृत - एक
प्रमुख पाण्डेव का पत्र
शिवमंगल सिंह 'सुमन'

31. 8. 89

गांव 291 7/89 का उपाधियस्त स्थानकोष
याने उपाधि/ इस उपाधिकोष के अनुसार समाप्त हो उपाधि
अत: अधिक अनुसूची कह नहीं यह आधारी मानेंगे। उपाधि के निम्नलिखित
आधारण ही है यही 'किला तलहे' समाजके लिए
का मानदंड' किला अनुसूची प्रविष्ट "विधि पत्र"
काम आज्ञा है। इस सूची में आईयार (तिलक)तमों
रागी हे सुनीते हैं। अधिक उपाधि होता, पुस्तकी होती)
युवी की उनके अनुसार हैं। हे से हैं अधिक पुस्तक
इसीके कारण हैं यही के साथ के ही

अधिक उपाधि पुस्तकी आईयार (तिलक)तमों
रागी हे सुनीते हैं। हे से हैं अधिक पुस्तक
इसीके कारण हैं यही के साथ के ही
मेरे लिए यहाँ की माता पिता के साथ अनेक अनुभव भरे हैं। इसलिए वहाँ हैं वहाँ के लिए वहाँ के काम हैं। यहाँ हैं वहाँ के काम हैं। यहाँ हैं वहाँ के काम हैं। यहाँ हैं वहाँ के काम हैं।

यहाँ हैं वहाँ के काम हैं। यहाँ हैं वहाँ के काम हैं। यहाँ हैं वहाँ के काम हैं। यहाँ हैं वहाँ के काम हैं।

यहाँ हैं वहाँ के काम हैं। यहाँ हैं वहाँ के काम हैं। यहाँ हैं वहाँ के काम हैं। यहाँ हैं वहाँ के काम हैं।

यहाँ हैं वहाँ के काम हैं। यहाँ हैं वहाँ के काम हैं। यहाँ हैं वहाँ के काम हैं। यहाँ हैं वहाँ के काम हैं।

यहाँ हैं वहाँ के काम हैं। यहाँ हैं वहाँ के काम हैं। यहाँ हैं वहाँ के काम हैं। यहाँ हैं वहाँ के काम हैं।

यहाँ हैं वहाँ के काम हैं। यहाँ हैं वहाँ के काम हैं।
हरिजंग "तुम्हारो नाम नामकरण हशिया, जो तुम्हारा नाम न हो दुनिया, तुम्हें मेरे किया मनुष्य अन्तर"

"कहिए, मेरे जीवन के साथ वर्तमान, तुम्हारे जीवन के साथ नहीं" वो करें जिसके लिए तुम्हारे लिए, तो चाहिए कैसे विवाहित अवतरण का हो लगाने लगिए?

अब, सबको दूर रहने की तलाश है कि वह किसी के अंदर रहा करने वाले, बापु भी होंगे, गाजन अंदर, बीला आशिर्वाद के निकु रा होंगे।

अखंड है जाति के साथ लगभगिने (साहस) वहाँ हो, जो 'गाजन साहस पूजा' के लिए वहाँ सबके लिए होता है। अब उसका लिए, नहीं रहे जा तो होने के लिए इसी तरह जिससे से वहाँ अपनी समाजी-समाजी की बातें करने की उम्मीद याद आई।

लाल है आत्मा हाथी आपना है जुड़ा जाए, वही हो आपका जन्म करेगा।
ਗਦੀ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਉਹਨਾਂ ਦੀ ਇੱਕ ਅਕਸਰ ਮੰਨਦਾ ਗਾਇਕ ਹੈ। (ਗਰੇੜੀ) ਲੋਖਣਾ ਸੋਅ ਹੈ ਕਿ ਜੋ ਅਕਸਰ ਮੰਨਦਾ ਗਾਇਕ ਹੈ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕਈ ਮੰਨਦਾ ਗਾਇਕ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੇਵਾ ਦੀ ਮੰਨਦਾ ਗਾਇਕ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੇਵਾ ਦੀ ਮੰਨਦਾ ਗਾਇਕ ਹੈ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੇਵਾ ਦੀ ਮੰਨਦਾ ਗਾਇਕ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੇਵਾ ਦੀ ਮੰਨਦਾ ਗਾਇਕ ਹੈ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੇਵਾ ਦੀ ਮੰਨਦਾ ਗਾਇਕ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੇਵਾ ਦੀ ਮੰਨਦਾ ਗਾਇਕ ਹੈ।
बुधवार,
अब का 6/6 का जनवरी।
'अगस्तावर नियम में सामाजिक वैज्ञानिक क्षेत्र में कौन सा युगदान आया है? अक्सर युगदान में समय तरीके से बाहर नहीं हैं,' इसी तरह के शब्दों से हादसा करते हैं - राजस्थान, 
में हैं क्या हैं इसे देखकर, विश्वसनीय
अनुक्रमण किया जाए। यह नहीं मानता Max Engels
Lenin: On Dialectical Materialism देखें।
'अभी की रचना कैसी भी देखता मे' गलती में अग्रसर होना चाहिए। क्या है?' जूते रखकर तलब, यह अब बैठक नहीं ले कर आता है। आगे की आगे की आगे की, आगे आगे जा कर,
'अभी क्या तुम है के देखकर है?' 'है- 
वर तुम इसके के केंद्र हो।'
हरा लाल रंग (वेट के के नीले के के) देखें।
हरे बनाए बनाए वहाँ देखी बनाए बनाए। जो बनाए बनाए बनाए
अभी मे अभी कौन सी है तैयार नहीं है। अभी तो देखते हैं।
प्रिय भाई,

अपने 6-6-1969 का पत्र मिला है।

अपने पत्र में "हिंदी कार्य में सामाजिक चेतना का प्रवास" निराला के विषय से संबंध में "अभिभावक है और युगल आकार है "यदि आप इस विषय के साथ आया नाम कर सकेंगे।

निराला का पूरा साहित्य अथवा हिंदी कार्य की परम्परा से सम्बंधित है और निराला को पढ़ने वाले उन से प्रभाव लेते रहेंगे और उनी ही कवियों पर वह प्रभाव न्यूनतम आये भी पढ़ना ही रहेगा। मैं ने निराला का अनुभव किया है "निराला का इश्का ही अत्यंत प्रेरणादायक है। मैं ने अपनी कविताओं को निराला की कविताओं से लितिया कराया है जो थे।

यह सटीक है कि निराला कार्य युगल प्रायः धाव है। यही बात प्राप्त, पंज, चंद्रनाथ, अथवा आदि कवियों के साथ भी है जो भी देखते हैं यह सब अनुयायी है।

सुखितबोध ने-सुक्ल छंद में दीर्घ कविताओं लिखी हैं। आर्य कविता के देखने पर इन्होंने को प्रतीत हो लगता है कि सुखितबोध निराला से प्रभावित है। सुखितबोध ने अपने स्वतंत्रताओं में निराला का कहीं नाम नहीं लिखा है। पंज को दे पूर्ण कविता समाप्त थे उन का लेख भी पंज पर है, प्राप्त रहे जो निराला सुखितबोध के मिला कर देखे हैं उन्हें यह सोचना पाएगा कि सुखितबोध ने निराला का नाम क्यों नहीं लिखा।

आप है, आप स्वतंत्र, सानुद हैं।

श्री कैलाश मार्फ़,
सन-1969 के हैं।

अप्नी मेडिटेशन, जुलै-अगस्त।
क्रम 2

बेदारनाथ जैवल का पत्र

298
परिक्रिय - दो
* अधार गुप्त *

दूर्यकान्त निपाठी "निराला" : परिमल, तपास संस्करण संवाद 2013
गीतिका, भारती मंडर, इलाहाबाद 1936
अनामिका, हृदीय संवाद 2015
हरिद्वार, भारती मंडर, इलाहाबाद 1980
कुष्ठिनता, द्वितीय संस्करण 1952
बेला, नित्यमा प्रकाशन, प्रयाग 1943
नये पते, प्रथम संस्करण 1946
अर्जना, नित्यमा प्रकाशन, प्रयाग 1950
आराध्य, साहित्यकार संसद, प्रयाग त. 2018
तांडवकाली, निराला प्रकाशन, इलाहाबाद
d्वितीय संस्करण 1976

नन्दकिशोर नवल : निराला रचनावली, आठ खंड
राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
प्रथम संस्करण 1983.

// तन्द्रम तथा साहित्य गुप्त //

अमृत राय : आधुनिक माह-बोध
हेंस प्रकाशन, इलाहाबाद, 1972

योध्या तिलक : भारत का गुरुत्व संग्राम
मैकमिलन, नई दिल्ली 1977.
अध्याय : हिन्दी तात्त्विक - एवं आधूनिक परिप्रेक्ष्य।
राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1984

अम्बादत्त पाण्डेय : ठायावादी काव्य में लोकमंगल की माध्यमा,
प्रेम प्रकाशन मैदिर, दिल्ली, 1980

उदयमान सिंह : महावीर प्रताद दीवदी और उनका धुग,
खंड एक विशालविद्यालय, ते 2008.

उपेश्वर मिश्र : प्रगतिवादी काव्य, गणन्द्र प्रकाशन, कानपुर,
फरवरी 1966.

स. आर. देसाई : भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक गृहधर्मी,
मैकमिल्न, 1977.

अोकार गढ़ : निराला, बोरा श्रेण कम्पनी, इलाहाबाद, 1969
निराला स्नृती गृह्य, भारती परिप्रेक्ष्य प्रयाग

अम्मुकार : हिन्दी कविता में राष्ट्रीय भावना

अोकार श्रीवास्तव : हिन्दी तात्त्विक: परिप्रेक्ष्य के ती कर्म

कमला प्रताद पाण्डेय : ठायावाद - प्रकृति और प्रयोग,
तात्त्विकवादी, इलाहाबाद, 1972

कौतिन्त नाथ : भारतेन्द्र युगीन काव्य में लोक तत्त्व.
केशरीलाल दुबल : आधुनिक काव्य धारा
              नेदिकोर एंड सून, घरानें,
              जून्यय संस्करण, 1961।

केदारनाथ तिल्ह : ग्वाना और छायावाद
              हेल प्रकाश, इलाहाबाद, मई 1957।

कुमारचन्द्र दर्म्भ : छायावाद काव्य
              मध्यप्रदेश हिंदी अकादमी, प्रथम 1972

आयार्य हजारीप्रताद दिवेदी : हिंदी साहित्य का आदित्य

श्री कुमाल : आधुनिक हिंदी साहित्य का दिकास
              हिंदी परिषद : विश्वविद्यालय, प्रयाग 1952

कुमार शुकल : आधुनिक हिंदी साहित्य
              हिंदी साहित्य कुटीर, काशी 1959

गंगाप्रताद पाण्डेय : महाप्राण निराला
              साहित्यकार संसद प्रयाग, सं. 2006

गंगाप्रताद पाण्डेय : छायावाद के आधार स्तम्भ
              लिपि प्रकाश दिल्ली, 1975

गंगाप्रताद विमल : आधुनिकता : साहित्य के तन्द्रम में
              मैकमिलन, दिल्ली 1978।
गणनान माध्यम "मुख्तारोपण" : नयी कविता का आत्म संरचना एवं अन्य निबन्ध फिवमार्ली, नागपुर, 1964.

गणपति गुप्त : हिंदी साहित्य : प्रथम वाद और प्रथुतलियाँ,
गिरीश तिवारी : कवि निराला और उनका काव्य साहित्य साहित्य गृह, इलाहाबाद, 1958.

गुलाब राय : भारतीय संस्कृति.

जगदीश चन्द्र : निराला की संस्कृतिक विद्या आभास प्रकाशन, नई दिल्ली, 1979.

जगदीश प्रसाद श्रीदासवत : निराला का काब्य पुस्तक संस्थान, कानपुर, प्रथम प्रत्यक्ष 1974.

जेपी वर्मा : हिंदी कविता में मार्क्सवादी विषय ग्रंथ, कानपुर, 1974.

जयकिस्म अपाल : हिंदी साहित्य का आधुनिक काल विनोद पुस्तक मंडिर, आगरा, 1969.

जयनाथ "नलिन" : काब्य पुस्तक निराला आलोक प्रकाशन, कुंदिन, जून 1970.

जानकीदल शास्त्री : महाकवि निराला निराला निकेतन, मुजफ्फरपुर, 1963.
तेजनारायण प्रताद सिंह : निराला जीवन और साहित्य
राज प्रकाशन, पटना, जून 1964

दुर्गप्रताद झाला : प्रगतिष्ठ हिन्दी कविता
गण्धम प्रकाशन, कानपुर, फरवरी 1967

दूभानाथ सिंह : निराला आत्महत्या आर्थिक
नीलाम प्रकाशन, इलाहाबाद, 1972

देवेन्द्रनाथ गर्मा : छायावाद और प्रगतिवाद
गण्धमल पटना, 1952

डॉ० दारिकाप्रताद मिल्ल म : हिन्दी साहित्य के बाद

धामूलक वर्मा : निराला व्यक्तित्व और तत्त्व
किया प्रकाशन, दिल्ली, 1965.

डॉ० नरेन्द्र गुरुपाल दास : हिन्दी साहित्य का इतिहास
नेपाल प्रकाशिक गार्ड, नयी दिल्ली
संस्करण 1982.

डॉ० नरेन्द्र : आधुनिक हिन्दी कविता की प्रमुख प्रगतिवाद

नंद हुलारे वाजपेयी : कवि निराला, व्यापी कविताओं प्रकाशन
वाराणसी, प्रथम संस्करण, 1965.
आधुनिक साहित्य, इलाहाबाद, सं. 2018
नदेंद्र हुलारे दाजेय सिंह : नया ताहिल्प नये प्रश न
मेकमिक, रेण्ड्री ताहिल्प : बीसवाँ शताब्दी.

डॉ. नामवर सिंह : छायावाद
राजकमल दिल्ली, तीसरा 1979.
दूसरी परम्परा की खोज
राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड
नयी दिल्ली, प्रथम 1982.

रितिहास और आलोचना
राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली.

निर्मला डैन : आधुनिक ताहिल्प : मूल्य और मूल्यांकन
राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, प्रथम 1982.

पद्मनाथ दुल्लाल बागी : हिन्दी ताहिल्प ऐतिहासिक समीक्षा
लोक चेतना प्रकाशन, जबलपुर, 1959.

पद्म सिंह : निराला

पी. ती. जोशी : परिसरण और विकास के ताल्कृतिक आयाम
राजकमल, नई दिल्ली, 1989.

प्रकाश डैन : नया ताहिल्प
अपेक्षा पब्लिकेशन, जयपुर.
हिन्दी काव्य में सामाजिक वैज्ञानिक का प्रकाश - निराला के विशेष संदर्भ में

नर्द हुलारे दाज़ेयरी : नया साहित्य नये प्रान मैकमिलन.
हिन्दी साहित्य : बीतर्यौ शताब्दी.

डॉ. नामवर सिंह : छायावाद
राजकमल दिल्ली, तीतरा, 1979.
दुनियों परम्परा की खोज
राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड
नयी दिल्ली, प्रथम 1982
इतिहास और आलोचना
राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली.

निर्मला जैन : आधुनिक साहित्य : मूल्य और मूल्यांकन
राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, प्रथम 1982

पद्मालाल पुन्तालाल बक्की : हिन्दी साहित्य वैज्ञानिक समीक्षा
लोक वैज्ञानिक प्रकाशन, जबलपुर, 1959.

पद्म सिंह : निराला

पी. टी. जोशी : परिवर्तन और विकास के सार्वजनिक आयाम
राजकमल, नई दिल्ली, 1989.

प्रकाश जैन : नया साहित्य
अपोलो प्रकाशन, जयपुर.
<table>
<thead>
<tr>
<th>नाम</th>
<th>भाषा</th>
<th>उपनाम</th>
<th>संस्था/संस्थापति/लेखक</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>प्रेमारायण शर्मन</td>
<td>हिंदी</td>
<td>निराला: स्वतंत्र और कृतित्व</td>
<td>हिन्दी साहित्य कान्ति, लखनऊ, 1962</td>
</tr>
<tr>
<td>डॉ. प्रेमारायण शुक्ल</td>
<td>हिंदी</td>
<td>हिन्दी साहित्य में विविध वाद</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>डॉ. प्रेमकर</td>
<td>हिंदी</td>
<td>हिन्दी स्वयंद्वादी काव्य</td>
<td>मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ संस्थान</td>
</tr>
<tr>
<td>डॉ. बच्चन सिंह</td>
<td>हिंदी</td>
<td>आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास</td>
<td>लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद परिवर्तित सौराष्ट्र, 1986</td>
</tr>
<tr>
<td>भगवतीचंदन दर्शा</td>
<td>हिंदी</td>
<td>ताहित्य का नया परिप्रेक्ष्य</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>भोलानाथ</td>
<td>हिंदी</td>
<td>आधुनिक हिन्दी साहित्य की साहसकृति</td>
<td>रामगोपाल परदेशी, प्रयाग 1970</td>
</tr>
<tr>
<td>डॉ. मक्कलाल शर्मा</td>
<td>हिंदी</td>
<td>प्रगतिवादी आलोचना</td>
<td>हिन्दी भाषा, इलाहाबाद, 1962</td>
</tr>
<tr>
<td>मनमथनाथ युप्त</td>
<td>हिंदी</td>
<td>प्रगतिवाद की स्पर्धा</td>
<td>आत्माराम एण्ड संस्था, दिल्ली, 1952</td>
</tr>
<tr>
<td>मोहनदास करमचंद गांधी</td>
<td>हिंदी</td>
<td>गांधी और मार्क्स</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>
यथालाल : मार्जिरादाद

डॉ. रमाकान्त शर्मा : छायावादोतर हिंदी कवीत मानिवैवा, देहरादून, 1970.

रामेश कुंतल मेघ : क्वाँड़ कृषि समय एक गत्वत है लोकप्रासादि प्रकाशप, 1975.

रामेशबन्धु मेहरा : निराला का पर्वतमाण काव्य अनुक्रमण प्रकाशप, कानपुर.

डॉ. रविन्द्र अमर : आधुनिक हिंदी काव्य ग्रंथम, कानपुर, 1966 छायावाद.

राजकुमार तैनी : साहित्य ग्रंथ निराला पीपुल्स लिटरेशी, प्रथम संस्करण 1981.

राजनाथ शर्मा : हिंदी साहित्य के प्रमुख दाद हिंदी साहित्य का इतिहास विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, 1958.

राजनाथ शर्मा : निराला विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, 1958.

रामेश दयाल सेना : काव्यवाद : स्त्रोप और व्यक्तित्व अनुक्रमण प्रकाशप, कानपुर, 1963.
रामकृष्ण कौशिक: निराला की काथ्य दृष्टि
भावना प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम व संस्करण, 1885.

डॉ. रामदर्शन मिश्र: हिंदी बच्चता आधुनिक आयाम

डॉ. रामरतन मठनागर: निराला: नव यूनियन.

रामचित्रास शर्मा: निराला और नवजागरण
साहित्य प्रकाशन, ताजग, फरवरी, 1965.

रामचित्रास शर्मा: निराला की साहित्य साधना
खण्ड एक, दो एवं तीन
राजकौल प्रकाशन, नवी दिल्ली, हुली 1979

डॉ. रामचित्रास शर्मा: भारतीय पुस्तक मंदिर, आगरा, 1956.
महादीर प्रसाद दिवेदी और हिंदी नवजागरण
राजकौल प्रकाशन, 1977.

निराला
निराला अभावाल एण्ड कम्पनी, आगरा
हुली संस्करण, 1971.

रामचित्रास शर्मा: हिंदी नवोलख
भारतीय झानपीठ, काशी, 1960.

डॉ. रामचित्रास शर्मा: दिवेदी पुस्तक का हिंदी काथ्य
अनुवाद प्रकाशन, खानपुर, 1966.
रामधुर्ति शर्मा: युग कवि निराला
साहित्य निकेतन, कानपुर, 1970.

डॉ॰ कलमीनारायण वाणेश्वर: आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका
हिन्दी परिषद, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, 1954.

वाणेश्वर नन्दन प्रसाद: नई कविता
kवच्य ग्रन्थ संस्, यव्व, 1959.

डॉ॰ विवेकानाथ: प्रवर्तिता ऋषिका
अन्य, कानपुर, 1964.

विवेकानाथ निवाली: हिन्दी आलोचना
राजकविल ग्रन्थ संस्, नयी दिल्ली
दूरदर्शिय संस्करण, 1982.

विवेकनाथ नाथ उपाध्याय: महाकवि निराला: काव्य कला और कविता
संस्कृत अकादमी, अगस्त्य, 1959.

विवेकनाथ "मानव": काव्य का भेदता निराला
लोकभारती ग्रंथ संस्, 1964.

श्रीरंग भूलानगर: समृद्धि के बीच कवि निराला
भारतीय ग्रंथ संस्, लखनऊ, 1965.

प्रभुदास तिहाड़: छायावाद युग
संस्कृत अकादमी, अगस्त्य, 1952.
| गिरीश्रमा तिहाड़ | निराला के काव्य प्रतिमान  
अनुयाय प्रकाशन, पटना, प्रथम संस्करण, 1983. |
|-----------------|--------------------------------------------------|
| गाँगित्र श्रीवास्तव | छायावादी काव्य और निराला,  
ग्रंथम, कानपुर, अक्टूबर 1966. |
| डॉ. शिल्पकरण सिंह | सच्च-निदंतवाद और छायावाद का  
महानायक अध्ययन  
किताब महल, कानपुर, 1967. |
| डॉ. गिरीकुमार मिश्र | मार्क्सवादी साहित्य चिन्तन  
मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी  
| गिरीकुमार मिश्र | साहित्य और सन्दर्भ  
कला प्रकाशन, दिल्ली, 1977.  
प्रगतिवाद |
| गिरीकुमार शर्मा | हिन्दी साहित्य धुग और प्रश्नविद्याएँ |
| गिरीधर शिखरकर | निराला और मुक्त छन्द  
मैकमिलन, 1964 |
| गिरीशकर रघुवराम | निराला साहित्य और भुगदर्शन  
दुर्गाप्रताद गुप्त, लखनऊ, 1972 |
| शाम छन्दर घोष | सुर्यकान्त त्रिपाठी निराला  
दिवयारात्ती प्रकाशन, नागपुर, 1976. |
सैलोष तिवारी : छायावादी काव्य में प्रगतिशील घटना
मार्गीय ग्रन्थ निकेतन, 1974.

डॉ. साम्पत ठाकुर : हिन्दी की भारतीय कविता
प्रगति प्रकाशन, अगर, 1978.

आयार्य दक्षिणीप्रताद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य : उदय और विकास
राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, पाँचवां 1988.

डॉ. हरिचन्दन चर्म तथा
डॉ. रामनिवास गुप्त : हिन्दी साहित्य का इतिहास
मध्य प्रदेश प्रकाशन, रोहतक, प्रथम 1982.

डॉ. हीरालाल बालोलिया : निराला साहित्य का अरुण.

डॉ. निम्नन सिंह : आधुनिक हिन्दी काव्य की स्वर्ण धरा.

डॉ. तिमूर रहबर : प्रगतिशाद : पुर्व उपार्जन
नवयुक्त प्रकाशन, दिल्ली 1966.

...
गाम्मी एंडॉरनियो: सलेक्शन प्रॉफ़ेसर प्रिजन नोट बुक। लॉरियन्स प्रेस, लंदन 1978।

क्रयेनको, एम.: द राइटर फ्रैंडली इंडिस्वालिटी एफ्ड डेवलपमेंट ऑफ़ लिटरेशन। प्रोग्रेस पर्ल्योलेस, मार्को।

बुंदारक्की: ऑफ़ लिटरेशन एफ्ड आर्ट्। प्रोग्रेस पर्ल्योलेस, मार्को।

मिस्लू ली. रैइट: दी टोरियोलॉजिकल इम्युनिटी। प्रेलिकल बुक्स, 1979।

होमिला भारत: हिस्ट्री ऑफ इफ्रिका। पेगुलम बुक्स, लंदन 1966।

तोरोकिन: सोसायटी: कल्याण एफ्ड पर्ल्योलिटी। हॉयर ब्राउन, न्यूयॉर्क 1947।

पत्रिकाएँ:

आलोचना, उत्तर ग्रंथ, कलम, दस्तावेज़, पहल, विश्वव्यापी कलम, वीणा, तासात्त्वक, हैल, इनपीट पत्रिका।